खतरे और कारण

स्तन कैन्सर का निश्चित कारण अभी तक अज्ञात है। वास्तव में स्तन कैन्सर के कई कारण हो सकते हैं। किन्तु कुछ कारण ऐसे हैं जिनसे महिला को स्तन कैन्सर का खतरा बढ़ जाता है। यह समझना भी जरूरी है कि एक या अधिक खतरे के कारण होने का मतलब यह नहीं होता कि आपको कैन्सर अवश्य होगा. उसी तरह कोई भी खतरे का कारण ना होने पर आपको कैन्सर नहीं होगा यह भी जरूरी नहीं है।

स्तन कैन्सर कई खतरे के कारणों के संयोजन से हो सकता है।

आयु

सबसे ज्यादा खतरे का कारण महिला की आयु है। स्तन कैन्सर का निदान हुई प्रत्येक दस महिलाओं में आठ की आयु पचास वर्ष के ऊपर होती है यानि कि 80%।

स्तन कैन्सर और स्तन की कुछ अवस्थाएँ

यदि आपको पहले भी स्तन कैन्सर हो चुका हो तो आपके लिये फिर से स्तन कैन्सर होने का खतरा बढ़ जाता है, जिसमें डक्टल कार्सिनोमा इन सीटु शामिल है। स्तन की नीचे दी गई अवस्थाओं में भी स्तन कैन्सर का खतरा बढ़ जाता है:–

- लोब्युलर कार्सिनोमा इन सीटु (LCIS)
- एटिपिकल डक्टल हाइपरप्लासिया – स्तन के एक छोटे से भाग में दुग्ध वाहीनियों में कुछ असामान्य कोशिकाएँ होती हैं।
- स्तनों में सघन ऊतक – जब स्तन अधिकतर ग्रंथियुक्त और संयोजक ऊतकों से बने हों और उनमें चरबीयुक्त ऊतकों की कमी हो।

अल्पायु में छाती/वक्षस्थल को दी गई विकिरण चिकित्सा

जिन महिलाओं को अल्पायु में छाती के भाग में विकिरण चिकित्सा दी गई हो, जैसे हॉजकिन लिम्फोमा के इलाज के लिये, उन्हें स्तन कैन्सर का खतरा ज्यादा होता है।

अंतःस्त्रावी (हार्मोनल) तथ्य

एस्ट्रोजेन और प्रोजेस्टेरॉन भी स्तन कैन्सर के खतरे को प्रभावित करते हैं। नीचे दिये गये कारण आपके स्तन कैन्सर के खतरे को बढ़ा सकते हैं:–

- अंतःस्त्राव प्रत्यारोपण चिकित्सा (हार्मोन रिप्लेसमेन्ट थेरेपी) लेने पर, और खास तौर से एक संयुक्त हार्मोन थेरेपी जिसमें एस्ट्रोजेन और प्रोजेस्टेरॉन दोनों दिये जाते हों, ऐसी अवस्था में आपको कैन्सर होने का खतरा बढ़ जाता है। जब आप ये दवाईयाँ लेना बंद करते हैं तो खतरा भी कम हो जाता है।

- मासिक धर्म का जल्दी शुरु होना (12 वर्ष से कम आयु में) या रजोनिवृत्ति का देर से होना (50 वर्ष की आयु के बाद)
- बच्चों का पैदा न होना या अधिक उम्र में होना
- कभी भी स्तनपान न कराना या एक वर्ष से कम समय तक स्तनपान कराना
- 35 वर्ष की आयु से कम जो लोग गर्भनिरोधक गोलियों का प्रयोग करते हैं उनमें स्तन कैन्सर होने की संभावना 1% बढ़ जाती है। यद्यपि गोलियाँ बंद करने पर इसकी संभावना कम हो जाती है।

जीवन शैली

आपकी जीवन शैली आपके स्तन कैन्सर के खतरे को बढ़ा देती हैः–

मद्यपान

अत्यधिक मद्यपान करना कैन्सर के खतरे को बढ़ाता है। अनुशंसित सीमा के अंदर मद्यपान करने वालों के लिये कैन्सर का खतरा कम होता है।

शारीरिक वजन

अत्यधिक वजन वाली (मोटी) महिलाओं में स्तन कैन्सर का खतरा ज्यादा होता है, खास तौर पर यदि मोटापा (मेदस्विता) रजोनिवृत्ति के बाद भी बना रहे। ऐसा शरीर में अंतःस्त्रावों के स्तर में परिवर्तन के कारण होता है।

धूम्रपान

धूम्रपान स्तन कैन्सर के खतरे को बढ़ा देता है। जितनी कम आयु में आप धूम्रपान करना शुरु करते हैं और जितने लंबे समय तक आप धूम्रपान करते हैं उतने ही अनुपात में आपको कैन्सर होने का खतरा बढ़ जाता है।

डायबिटीज (मेलिटस)

रजोनिवृत्ति (मासिक धर्म बंद होने के बाद) के 20 वर्ष तक डायबिटीज रहनेवाली स्त्रियों में स्तन कैन्सर होने की संभावना बढ़ जाती है।

पारिवारिक इतिहास एवं खतरे

जिन महिलाओं को स्तन कैन्सर होता है उनका स्तन कैन्सर का कोई पारिवारिक इतिहास नहीं होता। अगर आपके परिवार में कोई एक महिला स्तन कैन्सर से पीड़ित हो तो आपको स्तन कैन्सर का खतरा बढ़ नहीं जाता, आपको उतना ही खतरा है जितना किसी अन्य महिला को 40 वर्ष की आयु के बाद हो सकता है।

किन्तु कभी–कभी स्तन कैन्सर पारिवारिक हो सकता है।

सामान्य रूप से, नीचे दी गई परिस्थितियों में स्तन कैन्सर का संबंध पारिवारिक हो सकता हैः–

- जब परिवार के कई सदस्यों में स्तन कैन्सर या उससे संबंधित कैन्सर, जैसे अंडकोष का कैन्सर, का निदान हुआ हो
- जब परिवार के ऐसे व्यक्ति आपस में बहुत करीबी रिश्तेदार हों
- जब स्तन कैन्सर या अंडकोष का कैन्सर अल्पायु में हो गया हो

स्तन कैन्सर के 5% मामले में स्तन कैन्सर का कारण, परिवार में चले आते जीन (अनुवांशिक जीन) में परिवर्तन है। अनुवांशिक स्तन कैन्सर के मामलों में बीआरसी–1 (BRC-1) और बीआरसी–2 (BRC-2) इन दो जीन्स (genes) में परिवर्तन पाया गया है।